अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खंड)–30

प्र. 1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) दृष्टांत द्वार में नौ तत्त्वों पर एक रूपक तथा आश्रव लिखें।

(ख) द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुण द्वार–संवर, निर्जरा व पुण्य, काल लिखें।

(ग) द्रव्य गुण पर्याय द्वार–सामान्य गुण के भेदों की परिभाषा लिखते हुए अंत तक लिखें।

(घ) भाव द्वार–क्षायोपशमिक भाव–घाति कर्मों के क्षयोपशम से होने वाली आत्मा की अवस्थाएं लिखें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) पूर्व अवस्था के अनुसार सिद्धों के भेद लिखें तथा संसारी जीवों के दो वर्ग के विभाग लिखें।

(ख) परमात्म द्वार।

(ग) हेय ज्ञेय उपादेय द्वार।

(घ) षडद्रव्य द्वार–जीवास्तिकाय से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(ङ) विस्तार द्वार–निर्जरा के भेदों का वर्णन व व्याख्या करें।

(च) आत्म द्वार।

प्रतिक्रमण–20

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा।

(ख) चतुर्विंशति स्तव।

(ग) प्रतिक्रमण प्रतिज्ञा व छठा आवश्यक।

(घ) सूत्र सहित ग्यारहवां व्रत और अतिचार।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) चातुर्मासिक प्रतिक्रमण में भविष्यत काल का प्रत्याख्यान में आप क्या करते हैं?

(ख) प्रतिक्रमण में वंदना सूत्र कितनी बार बोला जाता है।

(ग) प्रतिक्रमण का समय कौन सा है?

(घ) सबसे बड़ा आवश्यक कौन सा है?

(ङ) अभ्याख्यान-शब्द का क्या तात्पर्य है?

(च) शक्र स्तुति का पाठ प्रतिक्रमण में कितनी बार आता है।

(छ) कर्मादान के कितने प्रकार हैं।

कर्म प्रकृति–25

प्र. 5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) जैन दर्शन के अनुसार किसे कर्म प्रकृति कहा गया है तथा आत्मा किस कारण से कर्म वर्गणा ग्रहण करती है और उसे कौन जान सकता है?

(ख) वेदनीय कर्म की स्थिति व अबाधाकाल लिखें।

(ग) दर्शनावरणीय कर्म बंध के हेतु लिखें।

(घ) शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) गौत्र कर्म को परिभाषित करते हुए उसके बंध के हेतु लिखें तथा स्थिति व अबाधा काल लिखें।

(ग) पिंड प्रकृति–आनुपूर्वी नाम व विहायोगति नाम की स्पष्ट व्याख्या करें।

(घ) कर्म की दस अवस्थाओं में उदीरणा व निकाचना की व्याख्या करें।

(ङ) चारित्र मोह कर्म की प्रकृतियों की स्थिति लिखें।

(च) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

गीतिका–कर्मों की संज्झाय–10

प्र. 7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) सम्यक्त्व.....किसका रे।

(ख) सुभूम.....राख्यो रे।

(ग) छप्पन.....पाणी रे।

(घ) बीस.....हारयो रे।

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) दधिवाहन राजा की बेटी के साथ क्या खेल हुआ?

(ख) सनत कुमार को कर्मों का क्या फल भोगना पड़ा और उसके अधीन कितने देश थे?

(ग) चन्द्र राजा किस नगरी का स्वामी था? उसके साथ कर्मों ने क्या खेल खेला?

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–15

प्र. 9 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–(प्रत्येक खण्ड से एक-एक प्रश्न का उत्तर दें)– 12

(क) पच्चीस बोल–आश्रव–8वें से लेकर 18वें तक ***अथवा*** अंक 21 का भांगा।

(ख) चतुर्भंगी–सतरहवां बोल ***अथवा*** उन्नीसवां बोल।

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–बीसवें बोल ***अथवा*** जीव के भेद 6 से लेकर अंत तक।

(घ) तत्त्वचर्चा–विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्त्व ***अथवा*** नौ तत्त्व पर आज्ञा-अनाज्ञा।

प्र. 10 कोई एक पद्य अर्थ सहित लिखें– 3

(क) द्रव्य खेतर.....रे।

(ख) नव तत्त्व.....विशेष।